Madhulika (Hindi Pathyapustak) Class - 4

हिंदी (मधुलिका)

1. धरती की हरियाली

मुख से

(क) हरा-भरा और प्यारा।
(ख) बादल बाबा ने अपने गुस्से का कारण पेड़ों का काटा जाना बताया।
(ग) हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

कलम से

1. (क) वर्षा न होने का परिणाम यह हुआ कि भयंकर गर्मी पड़ने लगी और धरती जलने लगी।
   (ख) बच्चों ने कहा कि आबादी बढ़ती जा रही है। यही पेड़ काटने की मजबूरी है।
   (ग) बादल बाबा ने बताया कि जो पेड़ काटे गए हैं, उनके स्थान पर नए पेड़ लगाओ।
2. कृपया पाठ्य-पुसतक की सहायता लें।
3. (क) पहाड़ पर, (ख) वर्षा का

भाषा से

1. (क) प्यारा, न्यारा, प्यासे, गुप्त, जल्दी
   (ख) वर्षा, हर्षाते, मर्म, पार्क, पर्वत, कार्य
2. धरती–भूमि, पृथ्वी; बादल–घन, मेघ; ताल–सरोवर, तालाब; आँख–नेत्र, नयन; पेड़–वृक्ष, तरु
3. (*i*) गाँव, (*ii*) रूठना, (*iii*) गरमी, (*iv*) मौन, (*v*) अभागे, (*vi*) अधिक

सोच-समझकर

1. यदि भयंकर गरमी पड़ती रहे और वर्षा न हो तो चारों ओर हाहाकार मच जाएगा। सूखा पड़ेगा और इससे फ़सलें नष्ट हो जाएँगी। पेड़-पौधे मुरझा जाएँगे। पशुओं को चारा नहीं मिलेगा और वे बहुत कमज़ोर हो जाएँगे। दुधारू पशु दूध नहीं दे पाएँगे। सूखा पड़ने से अनेक बीमारियाँ भी फैलती हैं।
2. वृक्ष ठंडी वायु लाने में सक्षम होते हैं। जब बादल आकाश पर छाते हैं तो पेड़ों से पैदा हुई ठंडी वायु उनसे टकराती है। इससे वर्षा होने में सहायता मिलती है।
3. **संकेत :** फल-फूल, शुद्ध हवा, ठंडी छाया, औषधियाँ, लकड़ी, मनोरम दृश्य
4. **संकेत :** बढ़ती आबादी–नए घर, नए स्कूल, नई दुकानें, नए अस्पताल, नई सड़कें आदि। अधिक जगह की ज़रूरत।

आओ कुछ और करें

4. कारखानों तथा वाहनों आदि से ज़हरीला धुआँ निकलता है। इससे प्रदूषण बढ़ता है।

2. चतुर मंत्री

मुख से

(पहले पाठ के संकेतों के अलावा कुछ बच्चों की सहायता के लिए प्रश्नों के उत्तर पहले शिक्षकगण द्वारा बोले जा सकते हैं। फिर उन्हें कुछ कमज़ोर बच्चों को दोहराने हेतु कहा जा सकता है।)

(क) क्योंकि वह कोई भी निर्णय बिना सोचे समझे ले लेता था।
(ख) क्योंकि उन्हें डर था कि सारा क्षेत्र पानी में डूब जाएगा।
(ग) ताकि पता चले कि भोर हो गई है।
(घ) मंत्री ने राजा को बताया कि पानी पूर्व देश में पहुँच गया है, तभी उन्होंने सूर्य को छोड़ा है।

कलम से

1. (क) सनकी, (ख) सूझ-बूझ वाला, (ग) पूर्व देश को, (घ) राजाज्ञा का
2. (क) राजा ने नहर पर मंत्री को आदेश दिया कि नहर पर एक बाँध बनाया जाए तथा पूर्व देश को एक बूँद भी न जाए।
   (ख) मंत्री जी ने मुख्य पहरेदार को निर्देश दिया कि रात्रि में हर घंटे बाद बजाया जाने वाला घंटा हर आधे घंटे के बाद बजाया जाए।
   (ग) मंत्री ने राजा को बताया कि पूर्व देश वालों ने सूर्य को अपने देश में रोक लिया है इसलिए घुप्प अँधेरा है।
   (घ) जब पानी पूर्व देश को जाने दिया गया तब लोगों ने चैन की साँस ली।
3. (क) नहर पर, (ख) हर घंटे बाद, (ग) प्रकृति की

भाषा से

1. (क) साधु-संत **परोपकारी** होते हैं।
   (ख) परमात्मा **दयालु** है।
   (ग) हमारा पड़ोसी **क्रोधी** है।
   (घ) सेठ जी **कृपालु** हैं।
2. (*i*) नदी, (*ii*) अंधियारा, (*iii*) सूर्य, (*iv*) नरेश, (*v*) उत्तर, (*vi*) उजाला
3. सुगंध + इत, पुलक + इत, द्रव + इत, नियम + इत

4. अज्ञान, अपरिचित, अकारण, अहिंदी-भाषी, अकथनीय, अकुशल
5. 1.–(*iii*), 2.–(*i*), 3.–(*ii*)
6. केवल समझाने हेतु

सोच-समझकर

1. प्रकृति की और देने हैं–पेड़-पौधे, फल-फूल, पशु-पक्षी, पर्वत, झरने, नदियाँ, झीलें, समुद्र, आकाश आदि।
2. बिना सोचे-समझे काम करने से धन व समय नष्ट होता है। उचित परिणाम नहीं आते। इससे मन बेचैन होता है और घबराहट बढ़ती है। लोग भी नाराज़ होते हैं।
3. पुराने समय में राजा के कार्य होते थे–जनता की भलाई के कार्य करना, जैसे–सड़कें बनवाना, नहरें बनवाना, लोगों की सुरक्षा करना, न्याय करना आदि। शत्रु राजाओं से राज्य की सुरक्षा करना भी राजा का कर्तव्य होता था।

आओ कुछ और करें

1. **संकेत :** बाँध बनाकर बिजली बनाई जाती है; सिंचाई के लिए पानी एकत्र किया जाता है; बाढ़ पर नियंत्रण पाया जाता है; बाँध बनाने से विशाल झील का निर्माण होता है, वहाँ सैर-सपाटा किया जा सकता है। भारत के कुछ बड़े बाँध हैं–भाखड़ा डैम, नाथपा डैम, उड़ी डैम, हीराकुंड डैम, सरदार सरोवर डैम, खड़खड़ा डैम, सलाल डैम, राणा प्रताप सागर डैम आदि।
2. भारत के पूर्व में उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा आदि राज्य हैं।
3. भारत की प्रमुख नदियों के नाम हैं–गंगा, यमुना, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, सतलुज, ब्यास, ब्रह्मपुत्र आदि।

3. भारत का दिल-दिल्ली

मुख से

(क) क्योंकि भारत का कोई प्रांत ऐसा नहीं, जिसकी संस्कृति की झलक दिल्ली में देखी न जा सके।
(ख) 'अशोक हॉल' में राष्ट्रपति नव-नियुक्त प्रधानमंत्री एवं मंत्रियों को शपथ ग्रहण कराते हैं।
(ग) बिडला मंदिर, अक्षरधाम मंदिर, गुरुद्वारा बंगला साहिब, गुरुद्वारा शीशगंज साहिब, सेंट स्टीफन चर्च, लोटस टेंपल आदि।
(घ) धरती, आकाश और पाताल में दौड़ने वाली मेट्रो रोज़ लाखों यात्रियों को ढोती है। सफ़र के लिए यह दिल्लीवासियों का प्रिय साधन है।

कलम से

1. (क) भारत का दिल, (ख) कलकत्ता (कोलकाता) को, (ग) शाहजहाँ ने, (घ) पौने दो करोड़ के करीब
2. (क) दिल्ली राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीगण, संसद-सदस्य, विदेशी राजदूत जैसे प्रमुख लोगों का निवास-स्थान है।
   (ख) विजय-स्तंभ की विशेषता है कि यह सैकड़ों वर्ष पुराना है लेकिन इस पर आज तक ज़ंग नहीं लगा।
   (ग) दिल्ली में सैर-सपाटे के लिए प्रमुख स्थान हैं–चिड़ियाघर, इंडिया गेट, पुराना किला, प्रगति मैदान आदि।
   (घ) दिल्ली का बड़ा दुख यह है कि यहाँ प्रदूषण बहुत अधिक है। यहाँ की प्रमुख नदी यमुना भी गंदगी से भर गई है।
3. (क) सन 1911 में, (ख) 258 फुट, (ग) कमल के फूल जैसी

भाषा से

1. केवल समझाने के लिए।
2. केवल समझाने के लिए।
3. (*i*) अनेकता, (*ii*) अनमेल, (*iii*) अनसुनी, (*iv*) अनमोल, (*v*) अनसोचा, (*vi*) अनर्थ, (*vii*) अनहोनी, (*viii*) अनजाना
4. कमरे, वस्तुएँ, अड्डे, महिलाएँ, मेले, सुविधाएँ, गुरुद्वारे, पाठशालाएँ, किले, अप्सराएँ, झंडे, कलाएँ

सोच-समझकर

स्वर्ण मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया, लोटस टैम्पल, ताजमहल, जगन्नाथ मंदिर, चार मीनार, कोणार्क सूर्य मंदिर, अजन्ता की गुफाएँ, हावड़ा ब्रिज।

आओ कुछ और करें

बच्चों का उचित मार्ग-दर्शन करें तथा चित्र आदि एकत्र करने को प्रेरित करें।

4. मनोरंजक खेल : कबड्डी

मुख से

(क) गाँव में जाने और रहने का।
(ख) खुले मैदान की और दोनों पालों के लिए फुर्तीले नौजवानों की एक समान टीमें।
(ग) क्योंकि सींखची पहलवान ने एक तगड़े विरोधी को सिर पर छू लिया और पलक झपकते ही अपने पाले में भी पहुँच गया। उसने विरोधियों का हिसाब बराबर कर दिया था।
(घ) जब खिलाड़ी की लकीर छूने से पहले ही साँस टूट जाती है।

कलम से

1. (क) किसी खुले स्थान पर चारों ओर लकीर खींचकर मैदान बनाया जाता है। मैदान के बीच में एक लकीर खींचकर दो पाले (भाग) बनाए जाते हैं।
   (ख) यह दूसरे पाले में खड़े खिलाड़ियों में से किसी को छूने की कोशिश कर रहा था।
   (ग) वे साँस भरने वाले खिलाड़ी को दबोचने की ताक में थे।
   (घ) उसे यह विश्वास नहीं हो रहा था कि गाँवों में ऐसे-ऐसे खेल भी हैं, जो स्वास्थ्य प्रदान करते हैं तथा मनोरंजन भी करते हैं।
2. (क) ननिहाल, (ख) दर्शक, उत्साह, (ग) वाह-वाह, (घ) फुर्तीले, (ङ) पाले
3. (क) गाँव के लड़के (ख) टीम के सब खिलाड़ी मरने पर (ग) खिलाड़ियों ने पाले बदले

भाषा से

1. *(i)* अवसर, *(ii)* पैदा, *(iii)* शरीर, *(iv)* स्थान, *(v)* मैदान, *(vi)* खिलाड़ी
2. पंजाबी–गुरुमुखी, अंग्रेज़ी–रोमन, उर्दू–फ़ारसी
3. (क) चितवन दिल्ली में पैदा हुआ था।
   (ख) मैदान में दो टीमें आमने-सामने थीं।
   (ग) वहाँ पर कई दर्शक जमा हो चुके थे।
   (घ) मैं भी कबड्डी खेलूँगा।

सोच-समझकर

1. चुस्त-फुर्त शरीर के बिना कोई भी काम सही ढंग से नहीं किया जा सकता। शरीर चुस्त न हो तो दिमाग भी सही ढंग से कार्य नहीं करता इसलिए हर खेल में चुस्त-फुर्त शरीर की आवश्यकता होती है।

2.3.4. बच्चे स्वयं सोचकर बताएँगे।

आओ कुछ और करें

1. फ्री हिट–हॉकी, एल०बी०डबल्यू–क्रिकेट, रैली–टेबल टैनिस
2. बच्चे स्वयं करे।

5. चाँद का झिंगोला

मुख से

(क) कि वह जाड़े की रात में ठंड से ठिठुरता रहता है।
(ख) माँ को इस बात का डर था कि चाँद का रोज एक नाप तो होता नहीं है तो कुरता किस नाप का बनवाया जाए और वह चाँद को आएगा भी या नहीं।
(ग) माँ ने अंत में चाँद से कहा कि एक झिंगोला बनवा देते हैं ताकि चाँद रोज़ उसमें आ सके।

कलम से

1. (क) चाँद माँ से हठ कर बैठा कि उसे एक झिंगोला सिलवाकर दिया जाए।
   (ख) किसी विशेष दिन अर्थात अमवस्या के दिन चाँद दिखलाई तक नहीं पड़ता।
   (ग) माँ ने चाँद को कभी अंगुल भर चौड़ा और कभी एक फ़ुट मोटा देखने की बात कही।
2. (क) माँ से, (ख) अरे सलोने
3. कृपया पाठ्य-पुस्तक की सहायता लें।

भाषा से

1. दिन – गिन, छिन; ऊन – मून, खून; बच्चे – सच्चे, कच्चे; डरती – धरती, भरती; मोटा – खोटा, गोटा
2. (ख) मम्मी, मुझे एक साइकिल दिलवा दो।
   (ग) दादी, मुझे एक आइसक्रीम खिलवा दो।
   (घ) दीदी, मेरा होमवर्क करवा दो।
3. छोटा–बड़ा, दाएँ–बाएँ, रोते–हँसते, सोते–जागते
4. ज़िद–हठ, जननी–माँ, दिवस–दिन, नेत्रों–आँखों, सफ़र–यात्रा, बालक–बच्चे
5. समझाने के लिए

सोच-समझकर

1.2.3.बच्चे अपने मन से जवाब दें, इसके लिए प्रेरित करें।
4. माप लेते समय दर्ज़ी, कमीज़, पैंट, निक्कर आदि लंबाई, चौड़ाई, गोलाई आदि नोट करते हैं।

आओ कुछ और करें

क्रिया-कलाप पूरा करने में बच्चों का मार्ग-दर्शन करें।

6. कर्म का फल

मुख से

(क) खुशम खुशैया और दुखम दुखैया।
(ख) उसे लगता था कि भगवान ने उसे कुछ नहीं दिया और दूसरे प्राणियों को कितने सुंदर हाथ-पैर और शरीर दिए हैं।
(ग) ताकि वह सुबह के उगते सूरज और बादलों के टुकड़ों को गुज़रते हुए देख सके।
(घ) दुखम दुखैया अपना अधिक समय भगवान की निंदा में ही बिताती थी।

कलम से

1. (क) खुशम खुशैया रोज़ सवेरे उठकर खेत-खलिहानों में जाकर दाने चुगती थी। शाम को वह कुछ तिनके लेकर वापस आती थी।

(ख) दुखम दुखैया न तो सवेरे उठती थी और न ही नियम से दाने चुगने बाहर जाती थी।

(ग) खुशम खुशैया का घोंसला मज़बूत था क्योंकि उसने बड़ी लगन से घोंसला बनाया था।

(घ) दुखम दुखैया ने संकल्प लिया कि उसे जो कुछ मिलेगा वह उसी से खुश रहेगी।

2. (क) सुंदर, (ख) बड़े-बड़े, (ग) अधिक, (घ) मज़बूत, (ङ) कमज़ोर

3. (क) सभी ठीक हैं, (ख) जैसे-तैसे, (ग) भगवान का

भाषा से

1. ओर– मेरी ओर देखो।
   और– कुछ पेंसिलें और लाओ।
   क्रम– सभी बच्चे क्रम से बैठें।
   कर्म– सदा अच्छे कर्म करो।
   ग्रह– आकाश में कितने ग्रह हैं?
   गृह– कृपया हमारे गृह में प्रवेश लीजिए।
   दशा– उसकी दशा खराब है।
   दिशा– यात्री पूर्व दिशा की ओर चल पड़ा।
2. (क) उस, (ख) वह, (ग) उस
3. केवल समझाने के लिए।
4. धीरे-धीरे– कछुआ धीरे-धीरे चलता रहा और जीत गया।
   कभी-कभी– कभी-कभी मैं मामा जी के घर जाता हूँ।

सोच-समझकर

1. लगन से काम करने पर काम सही होता है और अच्छा फल मिलता है।
2. जैसे-तैसे काम करने से काम अच्छा नहीं होता न ही मन को संतोष मिलता है। ऐसा काम किसी को पसंद भी नहीं आता।
3. खुश रहने से काम में मन लगता है, शरीर स्वस्थ रहता है, दूसरे भी हमसे मिलकर खुश होते हैं।
4. दुखी रहने से शरीर अस्वस्थ होता है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, काम करने में मन नहीं लगता, कोई भी हमसे मिलकर खुश नहीं होता।

5.6. बच्चे अपने मन से जवाब दें, इसके लिए उन्हें प्रेरित करें।

आओ कुछ और करें

1. बच्चे अपनी कल्पना से कोई भी जवाब दें। (सभी उत्तर सही हैं- ऐसा माना जाए।
2. ये चित्र हमें सदा हँसते रहने तथा खुश रहने का संदेश दे रहे हैं।

7. महान विचारक : दीनबंधु एंड्रयूज़

मुख से

(क) क्योंकि वह कर्म-कांडों में नहीं बल्कि मानव-सेवा में विश्वास रखते थे।

(ख) भारत में आकर इन्होंने निर्धनों, ज़रूरतमंदों की सहायता करनी शुरू की। भारतीयों के साथ होने वाले अन्याय और भेदभाव को दूर करने की कोशिश की। इनका अस्थायी ठिकाना था– शांति निकेतन।

(ग) गंदी बस्ती की एक झोंपड़ी में।

(घ) तपेदिक का मरीज़ एक अनाथ बालक चारपाई पर लेटा था और एक बूढ़ा उसे हाथ से पंखा कर रहा था।

कलम से

1. (क) दीनबंधु ने अनुभव किया कि भारतीयों के साथ अन्याय तथा भेदभाव होता है।
   (ख) क्योंकि दीनबंधु रवींद्रनाथ ठाकुर से बहुत ज़्यादा प्रभावित हुए थे इसलिए इन्होंने उनको अपना गुरु मान लिया।
   (ग) दीनबंधु ने भारतीयों को स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा दी।
   (घ) दीनबंधु की जन्मशती पर भारतीय डाक व तार विभाग की ओर से एक डाक टिकट जारी किया गया।
2. 1.–(*iii*), 2.–(*i*), 3.–(*ii*)
3. (क) ब्रिटेन में, (ख) दादा भाई नौरोजी, (ग) शांति-निकेतन

भाषा से

1. (क) कुछ, (ख) अच्छी, (ग) अच्छा, (घ) कच्ची, (ङ) बीमार
2. (क) (*i*) परोपकारी (*ii*) विश्वासी (*iii*) उत्साही (*iv*) स्वाभिमानी (*v*) प्रेमी (*vi*) पड़ोसी
   (ख) देश-सेवा–देश की सेवा, प्रभु-सेवा– प्रभु की सेवा, ईश-वंदना– ईश की वंदना, राज-कन्या–राजा की कन्या
   (ग) (*i*) अंकित (*ii*) पीड़ित (*iii*) जड़ित (*iv*) दंडित
3. (क) की, (ख) को, (ग) के, (घ) का

सोच-समझकर

1. बच्चों को अपने अनुभव बताने हेतु प्रेरित करें।
2. बापू, गुरुदेव, नेताजी, चाचा

आओ कुछ और करें

1. सिख प्रार्थना के लिए गुरुद्वारे तथा बौद्ध मठों में जाते हैं।

8. त्योहारों का देश : भारत

मुख से

(क) मानसी ने अपनी सहेली तोको को लिखा।
(ख) यह अश्विन मास की दशमी को मनाया जाता है, जो अक्तूबर मास में आती है।
(ग) बुद्ध पूर्णिमा, महावीर जयंती, रामनवमी, जन्माष्टमी।
(घ) नवरात्रों में दुर्गाष्टमी का विशेष महत्त्व होता है। इन दिनों गली-मोहल्लों में माँ दुर्गा की स्तुति के शब्द कानों में गूँजते रहते हैं।

कलम से

1. (क) भारत त्योहारों के देश के रूप में प्रसिद्ध है।
 (ख) दीपावली के त्योहार पर अनगिनत दीपक जलाए जाते हैं इसलिए इसे 'दीपों का पर्व' कहा जाता है।
 (ग) ईद आपस में गले मिलकर मनाई जाती है।
 (घ) रक्षाबंधन के त्योहार पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बाँधती हैं तथा उनकी दीर्घायु की कामना करती हैं।
2. 1.–(*vi*), 2.–(*v*), 3.–(*i*), 4.–(*vi*), 5.–(*ii*), 6.–(*iii*)
3. (क) लक्ष्मी जी की, (ख) मार्च, (ग) मकर संक्रांति

भाषा से

1. (ख) है, (ग) आता है, (घ) मिलते हैं, (ङ) कहना
2. आती थी– पहले टीना रोज़ शाम को आती थी।
 आती है– अब वह सुबह-सवेरे आती है।
 आएगी– अगले सोमवार वह दोपहर को आएगी।
3. रातें, पत्रों, बहनें, पर्वो, बातें, त्योहारों, भैंसें, दिनों, दीवारें, बाज़ारों
4. प्रसन्नता, अमावस्या, आरंभ, मिठाइयाँ, फुलझड़ियाँ, अतिरिक्त

सोच-समझकर

1.2.3.4. बच्चे अपने अनुभव के आधार पर बताएँगे। अधिकतम बच्चों को बोलने का अवसर दें।

आओ कुछ और करें

1. जापान के प्रमुख त्योहार हैं–गुड़ियों का त्योहार, फूलों का त्योहार (चैरी का त्योहार), नववर्ष का त्योहार, लालटेनें तैराने का त्योहार।
2. जापानी भाषा में नमस्ते को कहते हैं– नामा स्यूत।

9. प्रार्थना

मुख से

(मौखिक प्रश्न बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति को सुदृढ़ करने हेतु दिए जाते हैं। शिक्षकगण बच्चों को बोलने हेतु प्रेरित करें, विशेषकर संकोची बच्चों को। इससे उनकी बोलने में हिचक समाप्त होगी तथा वे भविष्य में अपने विचार व्यक्त करने में सक्षम होंगे।)

कलम से

1. (क) (*i*) इस दुनिया को किसने बनाया है?
 (*ii*) सूरज को किसने चमकाया है?
 (ख) कविता के अंत में बच्चा समझ जाता है कि कोई ऐसी शक्ति है जो यह सब करती है। उसे प्रणाम करना चाहिए।
2. स्वयं करें
3. सूरज–तारे, पेड़–फल, फूल–खुशबू,दरिया–पानी, ऊँचे पहाड़–बर्फ़, पक्षी–सुर
4. भगवान

भाषा से

1. यह जगत किसने रचाया है?
 ठंडी हवा कौन चलाता है?
 फूलों में खुशबू कौन लाता है?
 उसकी कला पर वारि जाएँ।
2. सूरज, चाँद, तारे, पेड़, फूल, पक्षी, हवा, खुशबू, फल, बीज आदि।
3. **व्यक्तिवाचक–** अमेरिका, अक्षय कुमार, कुतुबमीनार, सतलुज, बाटा
 जातिवाचक– अध्यापक, पेड़, दुकान, कुरसी, प्रेम
 भाववाचक– सुगंध, गुस्सा, बुराई, भलाई, मिठास
4. जगत–दुनिया, सूरज–सूर्य, फूल–पुष्प, बादल–मेघ, हवा–वायु

सोच-समझकर

1.2. बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने की प्रेरणा दें। अधिकतम बच्चों को बोलने का अवसर प्रदान करें।
3. भगवान ने पर्वत, झरने, नदियाँ, झीलें, समुद्र, वन, फल, फूल, पक्षी आदि बनाकर पृथ्वी को सुंदर बनाया है।
4. यदि ये सब चीज़ें न हों तो धरती बेरंग और उबाऊ नज़र आएगी।
5. **संकेत :** वातावरण को शुद्ध बनाना, आस-पास सफ़ाई रखना, पेड़ लगाना, पशु-पक्षियों की रक्षा व सहायता करना।

आओ कुछ और करें

बच्चों को मार्ग-दर्शन देकर क्रिया-कलाप पूर्ण करने में सहायता कर सकते हैं। यथा : गीत–तुम्हीं हो माता, पिता तुम्हीं हो, फूलों के परागकण बिखरने से बीज बनते हैं, चित्र में रंग भरने हेतु बाहरी किनारों (Outline) से शुरुआत करनी चाहिए।

10. मन की उड़ान

मुख से

(क) बड़े होकर तुम क्या बनना चाहते हो?
(ख) यह विचार उनके मन में इसलिए आया क्योंकि वह ठेले को लेकर घूम भी सकते हैं और जितना मन चाहे उतनी आइसक्रीम भी खा सकते हैं।
(ग) जब रेलगाड़ी अपनी यात्रा पूरी कर लेती है तो उसे अगली यात्रा के लिए तैयार करना होता है। रेलगाड़ी की साफ़-सफ़ाई की जाती है। इंजन को घुमाकर ईंधन-पानी भरा जाता है। इसे शंटिंग कहते हैं।
(घ) कभी आइसक्रीम बेचकर कभी डिब्बों की शंटिंग करके।

कलम से

1. (क) उनका जवाब हर बार अलग-अलग होता था। यही उनके हर बार के जवाब की विशेषता होती थी।
   (ख) पापा यह सोचकर चौकीदार बनना चाहते थे कि जब सब लोग सोए होंगे तो वे खूब शोर मचा सकेंगे।
   (ग) क्योंकि शंटिंग करने का काम पापा को इंजनों और डिब्बों से खेलने जैसा लगा और यह खेल उन्हें मज़ेदार लगा।
   (घ) अचानक ही पापा की समझ में यह बात आई कि वह रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकते।
2. (क) चौकीदार, (ख) बच्चों को, (ग) अच्छा इनसान
3. *(i)* ✓, *(ii)* ✗, *(iii)* x, *(iv)* ✓, *(v)* ✓, *(vi)* ✓, *(vii)* ✗, *(viii)* ✓

भाषा से

1. मैं सैनिक बनूँगा। —आने वाले समय का
   भैया फ़ुटबॉल खेलते हैं।—अभी के समय का
   मीरा स्कूल जाती थी। —बीते हुए समय का
   मैं पढ़ रहा हूँ। —अभी के समय का
   मैं कल दिल्ली जाऊँगा।—आने वाले समय का
2. (ख) जा रहा हूँ, (ग) खेलूँगा, (घ) गिरा था
3. *(i)* फूलवाली, *(ii)* कढ़ाईदार, *(iii)* खुशबूदार, *(iv)* टोपीवाला, *(v)* रिक्शावाला
4. *(i)* खाने वाले, *(ii)* टोपी वाले, *(iii)* चलने वाले, *(iv)* बनाने वाले, *(v)* बेचने वाले, *(vi)* पढ़ने वाले
5. *(i)* अलग-अलग, *(ii)* माता-पिता, *(iii)* इधर-उधर

सोच-समझकर

1. **संकेत :** डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, पायलट, जहाज़, अध्यापक, अफ़सर, दुकानदार, व्यवसायी, उद्योगपति, खिलाड़ी, अभिनेता, कोई अन्य कलाकार, पत्रकार आदि।
2. **संकेत :** जो दूसरों को कष्ट न दे, दूसरों की सहायता करे, कोई गलत कार्य न करे, अपने कर्तव्यों का पालन करे।
3. **संकेत :** दयालु होना, बच्चों से प्रेम होना, लालची न होना आदि।
4. बच्चे अपने मन से बताएँगे। **संकेत :** खेलने, पढ़ने व अन्य कार्यों में सहायता करना।

आओ कुछ और करें

कार्य-कलाप पूरा करने हेतु बच्चों का उत्साहवर्धन एवं मार्ग-दर्शन करें।

11. मेहनत की कमाई

मुख से

(क) क्योंकि अब वह बूढ़ा हो गया था।
(ख) व्यापारी ने अपने बेटे से कुछ कमाकर लाने को कहा।
(ग) क्योंकि वह पैसे कमाना चाहता था।
(घ) सिर पर उठाकर।

कलम से

1. (क) व्यापारी का बेटा बड़ा ही आरामतलब और आलसी था।
   (ख) पुत्र की परेशानी देखकर माँ ने उसे एक अशरफ़ी दे दी।
   (ग) भाई को रोता देख बहन ने उसे एक रुपया दे दिया।
   (घ) लड़के ने चवन्नी कमाने के लिए कड़ी मेहनत की थी इसलिए उसने चवन्नी कुएँ में नहीं फेंकी।
2. (क) व्यापार, (ख) ममता, (ग) आज्ञा, (घ) अँधेरा, (ङ) चिंता
3. (क) समुद्री व्यापार से, (ख) अपनी बहन के पास, (ग) एक चवन्नी

भाषा से

1. (ख) अल्पविराम तथा पूर्णविराम
   (ग) प्रश्न चिह्न
   (घ) विस्मयसूचक चिह्न तथा पूर्णविराम
   (ङ) अल्पविराम, उद्धरण चिह्न तथा पूर्णविराम
2. (क) का, (ख) को, (ग) के, (घ) की, (ङ) का
3. (क) निर्धन, (ख) आलसी, (ग) मूर्ख, (घ) खर्च करना, (ङ) झुकाकर
4. *(i)* व्यय, *(ii)* उत्पन्न, *(iii)* सभ्य, *(iv)* यत्न, *(v)* अठन्नी

सोच-समझकर

2. **संकेत :** सफल होने में लंबा समय लगता है, धन व समय नष्ट कर बैठते हैं, दूसरे लोग उन्हें बहकाकर उनसे फ़ायदा उठाते हैं आदि।

5. **संकेत :** जेब से, बटुए से, तिजारी से, बैंक से, डाकघर से, ए०टी०एम० से आदि।

आओ कुछ और करें

1. **संकेत :** माल मँगाना और बेचना पड़ता है, धन का प्रबंध करना पड़ता है, कर्मचारियों से मेल-जोल रखना पड़ता है, कई प्रकार के कर (टैक्स) चुकाने पड़ते हैं, दूसरे शहरों व देशों में आना-जाना पड़ता है आदि।
2. **संकेत :** समुद्री रास्ते में भारी सामान मँगाया व भेजा जाता है; जैसे—कारखानों की मशीनें, ट्रक, टैंक, तोपें आदि।
3. **संकेत :** समुद्री यात्रा में कई बार जहाज़ डूब जाता है, बीच समुद्र में आग लग जाती है, समुद्री डाकू सामान लूट लेते हैं आदि।
4. **संकेत :** महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडू, ओडिशा, पश्चिमी बंगाल आदि।
5. बच्चे स्वयं निशान लगाएँगे।

12. सरकस

मुख से

(क) कि बंदर के लिए घोड़ा आ गया है।
(ख) लैंप जलाया, कुरसी पर बैठकर पुस्तक खोली, कोड़ा उठाया।
(ग) सिंहनी का जना हुआ था और सियार बना हुआ था।
(घ) कवि के मित्र को शेर पर इसलिए दया आई क्योंकि उन्होंने सोचा कि इस शेर को तब पकड़ा गया होगा जब यह बहुत छोटा होगा और मार-मारकर इसे सब कुछ सिखाया गया होगा इस वजह से ये यह भूल ही गया है कि वह शेर है।

कलम से

1. (क) सरकस में दिखाए जाने वाले करतब भय और आश्चर्य में डालने वाले थे।
   (ख) मनुष्य की बड़ाई में कवि ने कहा कि साहसी व्यक्ति को कोई डर नहीं होता। वह तो शेर को भी वश में कर लेता है।
   (ग) शेर को छोटी उम्र में ही पकड़ लिया गया था तथा मार-मारकर सिखाया गया था। इस कारण वह सियार जैसा बना हुआ था।
2. कहीं साहसी जन डरता है,
   नर नाहर को वश करता है।
3. (क) सरकस में, (ख) शेर को, (ग) भोले

भाषा से

1. 1.–(*iv*), 2.–(*v*), 3.–(*vi*), 4.–(*i*), 5.–(*iii*), 6.–(*ii*)
2. (क) एक बड़ा-सा बंदर **आया**।
   (ख) डट कुरसी पर पुस्तक **खोली**।
   (ग) चौक **उठाया** उसने कोड़ा।
   (घ) **की** मैंने इस भाँति बड़ाई
3. (*i*) बंदरिया, (*ii*) शेरनी, (*iii*) घोड़ी, (*iv*) नारी, (*v*) बछिया, (*vi*) सियारिन
4. (*i*) मैं, (*ii*) मैंने, (*iii*) लैंप, (*iv*) मैना, (*v*) है

सोच-समझकर

बच्चे अपने मन (अपनी सोच) से उत्तर दे सकें, इसके लिए उन्हें प्रेरित करें।

आओ कुछ और करें

विद्यालय की कंप्यूटर लैब में वेबसाइट खोलने व दिखाने में बच्चों की सहायता करें।

13. कौआ और कोयल

मुख से

(क) कौए ने किताबों में कविताएँ पढ़ी थी।
(ख) कोयल अपने अंडों को कौओं के घोंसलें में रख देती है।
(ग) भगाने की कोशिश करते हैं।
(घ) वह आज भी अपने अंडे चोरी-छिपे कौए के घोंसले में छोड़ आती है और कौआ-कौउनि उन्हें अपना समझकर उनकी देखभाल करते रहते हैं।

कलम से

1. (क) संगीत सम्मेलन से
   (ख) कोयल की
   (ग) अपनी सुरीली आवाज़ का
   (घ) नर और मादा कौआ
2. (क) कुछ लोग भीतरी गुणों की बजाए ऊपरी चमक-दमक को महत्त्व देते हैं।
   (ख) कौए कहीं पर भी बिखरी गंदगी को खाकर वातावरण को शुद्ध रखते हैं।
   (ग) हिंदू मानते हैं कि पितृ-पक्ष में कौओं द्वारा खाया गया खाद्यान्न उनके पूर्वजों तक पहुँचता है।
   (घ) इस मुलाकात के बाद से यह कहा जाता है कि कोयल अपना मुँह छिपाकर गाती है।
3. (क) आठ, (ख) झूठ बोलने वाले की, (ग) मेहमान

भाषा से

1. (क) छत की मुँडेर पर कौआ बैठा था।
   (ख) कहाँ से आ रही हो कोयल?

(ग) क्या करूँ, कोई मानता भी तो नहीं।
(घ) कैसी चोरी! कैसी चालाकी!

2. (क) तुमने केक **कैसे** बनाया?
(ख) नीचे **कौन** खड़ा है?
(ग) तुम्हारा घर **कहाँ** है?
(घ) तुमने **क्या** खाया है?

3. (ख) **छात्रा** घर **पहुँची**।
(ग) **दादाजी** सो **गए**।
(घ) **शिक्षिका** कक्षा में **आईं**।

4. पूरे–अधूरे, मधुर–कटु, ऊपरी–निचली, शुरू–समाप्त, मेहमान–मेज़बान, आदर–अनादर

सोच-समझकर

छात्र स्वयं अपने विचार प्रकट करेंगे।

आओ कुछ और करें

संकेत : पशु-पक्षी छोटे कीड़े-मकौड़ों को खाते हैं।

14. लापरवाही का फल

मुख से

(क) घोड़े के पैर की नाल की कील निकल गई थी।
(ख) बहादुर सिंह ने सोचा कि लुहार न मिलने में उसकी कोई गलती नहीं है।
(ग) उसके पास इतना समय ही नहीं था। वैसे भी राजा ने सभी लुहारों को नए हथियार बनाने में लगा दिया था।
(घ) शत्रु के एक घोड़े ने बहादुर सिंह के घोड़े को घायल कर दिया। बहादुर सिंह दूर जा गिरा। फिर शत्रुओं ने उसे बंदी बना लिया।

कलम से

1. (क) हाँ, (ख) हाँ, (ग) नहीं, (घ) हाँ

2. (क) बहादुर सिंह बहादुर योद्धा था। वह साहसी और फुर्तीला था।
(ख) बहादुर सिंह ने सोचा कि कील तो छोटी-सी चीज़ है। कभी भी लगवा लूँगा।
(ग) इसका परिणाम यह हुआ कि घोड़े की नाल निकलकर गिर गई।
(घ) बहादुर सिंह की दुर्दशा का कारण यह था कि उसने छोटी-सी चीज़ का महत्त्व नहीं समझा।

3. (क) सिपाही, (ख) पत्थर से, (ग) चुस्त-फुर्तीले

भाषा से

1.

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
सारे	कील	बहुत	कष्ट
कम	समय	नए	हथियार
चौथा	पैर		

2. (*i*) पहाड़ी, (*ii*) पंजाबी, (*iii*) साहसी, (*iv*) शहरी, (*v*) परिश्रमी, (*vi*) गुलाबी

3. (ख) एक-एक कर सारे कील निकल **गए**।
(ग) कई दिन बीत **गए**।
(घ) सभी लुहार नए हथियार बना **रहे थे**।
(ङ) उसका घोड़ा **ऐसा था**, जैसे बहुत दिनों से बीमार हो।

4. क्ष–कक्षा, क्षेत्र; त्र–त्रिलोक, त्रिशूल; ज्ञ–विज्ञान, वैज्ञानिक; श्र–श्रमिक, परिश्रम

5. (*i*) मेरी चम्मच तो छोटी-सी है।
(*ii*) दादा जी धीरे-धीरे चलते हैं।

सोच-समझकर

1. **संकेत :** कार्य समय पर पूरा न होना, ज़रूरत के समय दूसरों का मुँह ताकना, जीवन में पिछड़ना, कई कार्य इकट्ठे होने पर मन में बेचैनी व घबराहट होना आदि।
2. **संकेत :** कार्य इकट्ठा होता जाएगा, हो सकता है कि कभी भी पूरा न हो, कक्षा में दंडित व मज़ाक का पात्र, परीक्षा में पिछड़ना आदि।
3. **संकेत :** बहादुरों की भाँति युद्ध करता, युद्ध में विजयी होता, अपना व देश का नाम रोशन करता, न घोड़े को दुख उठाना पड़ता और न ही स्वयं को।
4. **संकेत :** सूई–कपड़े सीना, कील–चीज़ें ठोकना, दियासलाई–आग जलाना, निब–लिखाई करना, दवाइयाँ–शरीर को रोग-मुक्त करना।

आओ कुछ और करें

दोहे का अर्थ : जो काम कल पर छोड़ रहे हो उसे आज ही, बल्कि अभी कर लो। कल न जाने क्या होगा, अब नहीं करोगे तो फिर कब कर सकोगे।

15. भारत के सपूत : भगत सिंह

मुख से

(क) वह मिट्टी जलियाँवाला बाग की थी। उस मिट्टी में शहीदों का खून मिला था।
(ख) भगत सिंह ने कहा, ''पिताजी, मैंने अपना जीवन देश को अर्पण कर दिया है। मुझे बंधनों में मत जकड़िए।''
(ग) ''मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने साथियों को कभी धोखा नहीं दूँगा। अपनी मातृभूमि के लिए जीवन बलिदान करने में कभी नहीं हिचकिचाऊँगा।''
(घ) भगतसिंह ने अपनी अंतिम इच्छा बताई कि ''मैं भारतवर्ष में फिर से जन्म लूँ और मातृभूमि की सेवा कर सकूँ।''

कलम से

1. (क) सांडर्स को, (ख) भगत सिंह और बटुकेश्वर

दत्त ने, (ग) 23 मार्च, 1931 को, (घ) हुसैनी वाला (पंजाब) में

2. (क) भगत सिंह का जन्म 27 सितंबर, सन् 1907 को ज़िला लायलपुर के बंगा नामक गाँव में हुआ था।
   (ख) कानपुर में भगत सिंह का परिचय गणेश शंकर विद्यार्थी, चंद्रशेखर आज़ाद, राजगुरु, सुखदेव आदि से हुआ।
   (ग) लाला लाजपतराय पर पुलिस ने लाठियाँ बरसाईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।
   (घ) वे अंग्रेज़ सरकार को उसके अत्याचारों का अहसास करवाना चाहते थे इसलिए उन्होंने यह निर्णय लिया।

3. (क) क्रांतिकारी, (ख) बंदूकें, (ग) लाला लाजपतराय

भाषा से

1. (क) चोर सबकी आँखों में **धूल झोंककर** भाग गया।
   (ख) रोमेश पर शिमला जाने की **धुन सवार** हो गई है।
   (ग) नुकसान का पता लगते ही सेठ जी **आग बबूला** हो गए।

2. (क) लाला लाजपत राय को लाठियाँ लगीं। इस कारण उनकी मृत्यु हो गई।
   (ख) अब भगत सिंह छिपकर नहीं बल्कि प्रत्यक्ष रूप से कुछ करना चाहते थे।
   (ग) भगत सिंह ने गिरफ़्तारी देने का निर्णय किया ताकि देशवासियों को बलिदान देने की प्रेरणा मिले।
   (घ) फाँसी की सज़ा का देश-भर में विरोध हुआ, परंतु अंग्रेज़ नहीं माने।

3. प्रतिज्ञाएँ, बालकों, विधानसभाएँ, देशों, सज़ाएँ, सिखों, इच्छाएँ, गाँवों, माताएँ, परिवारों

4. माता-पिता, उठते-बैठते, चलते-फिरते, स्थान-स्थान

5. केवल समझाने हेतु।

सोच-समझकर

1. लव, कुश, अभिमन्यु, भरत
2. वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप, लक्ष्मीबाई। इन्होंने अपने देश की आज़ादी के लिए लड़ाइयाँ लड़ीं।

आओ कुछ और करें

1. **संकेत :** जेलों में गए, लाठियाँ व गोलियाँ खाईं, अन्य अनेक प्रकार के जुल्म सहे।

2. **संकेत :** 13 अप्रैल, 1919 को जलियाँवाला बाग में भारतीयों की शांतिपूर्ण सभा, अंग्रेज़ पुलिस ने भीड़ पर गोलियाँ चला दी, सैकड़ों निर्दोष लोग मारे गए, मृतकों में स्त्रियाँ व छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल, पूरे देश में इस घटना की निंदा हुई।

16. माँ की ममता

मुख से

(क) शैबी कुतिया परेशान इसलिए थी क्योंकि उसके चार छोटे-छोटे पिल्ले कुएँ में गिर गए थे।
(ख) शेर ने शैबी को उस घटना के बारे में बताया जब एक खरगोश ने धोखे से उसके दादाजी को कुएँ में छलाँग लगवा दी थी।
(ग) लोमड़ी अपनी चालाकी से उन्हें ढूँढ़ निकाल सकती थी।
(घ) क्योंकि कुएँ का पानी बहुत ठंडा था।

कलम से

1. (क) चीता ज़मीन पर लगभग 100 मील प्रति घंटे की गति से दौड़ सकता है। यह नदी की तेज़ धार में तैर भी सकता है।
   (ख) यदि कोई पिल्लों को तंग करता तो शेर उसे अपने मज़बूत पंजों तथा तीखे दाँतों से चीर डालता।
   (ग) ऊँट शैबी के पिल्लों को मरुस्थल में ढूँढ़ सकता था, यदि वे मरुस्थल में गुम हुए होते तो।
   (घ) ज़िराफ़ ने अपनी लंबी गरदन कुएँ में लटका दी। पिल्ले एक-एक कर उसकी गरदन पर सरकते हुए बाहर निकल आए।

2. (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य

3. (क) चीता, (ख) इशारों से, (ग) मरुस्थल का

भाषा से

1. (*i*) मैं तैरते-तैरते दूसरे किनारे पहुँचा।
   (*ii*) तुम्हारी बातें सुनते-सुनते मैं तो ऊब गया।
   (*iii*) खरगोश भागते-भागते थक गया।
   (*iv*) वे खेलते-खेलते लड़ने लगे।

2.

	विशेषण	विशेष्य
(ख)	तेज़	धार
(ग)	तीखे	दाँत
(घ)	सारी	बात
(ङ)	लंबी	गरदन

3. सिंह–शेर, दीदी–बहन, दंत–दाँत, कथा–कहानी, होशियारी–चालाकी, उपाय–तरकीब

4. (*i*) चंपकवन, (*ii*) तंग, (*iii*) कुएँ, (*iv*) छलाँग, (*v*) लंबू, (*vi*) कहानियाँ

5. (*i*) छलाँग लगवाना, (*ii*) बाहर निकलवाना, (*iii*) पाठ

पढ़वाना, (*iv*) दौड़ लगवाना, (*v*) बोझ लदवाना, (*vi*) बच्चे छुपवाना

सोच-समझकर

1. मैं इस कहानी का नाम (शीर्षक) ''शैबी के पिल्ले'' रखना चाहूँगा क्योंकि पूरी कहानी शैबी के पिल्लों के ईर्द-गिर्द घूमती है।

या

मैं इस कहानी का नाम (शीर्षक) ''लोमड़ी की होशियारी'' रखना चाहूँगा क्योंकि लोमड़ी की होशियारी के कारण ही नन्हें-नन्हें पिल्लों की जान बच सकी। जबकि किसी को कोई उपाय सूझ ही नहीं रहा था।

2. बच्चे स्वयं निशान लगाएँगे।
3. संकेत पुस्तक में दे दिए गए हैं। बच्चे उन्हीं की सहायता से वर्णन करेंगे।

आओ कुछ और करें

किसी मूक-बधिर विद्यालय में ले जाने हेतु बच्चों की मदद करें। या किन्हीं दो मूक-बधिर बच्चों को कक्षा में निमंत्रित कर उनका विचार-विनिमय करवाएँ तथा स्पष्ट करें।

17. हँस तू हरदम

मुख से

(क) खेलते-कूदते हैं, घूमने जाते हैं, बाज़ार से चीज़ें खरीदते हैं आदि-आदि।

(ख) हँसी से उदासी दूर भागती है। दुख, तनाव और थकावट भी हँसी दूर भगाती है। शरीर की सभी मांसपेशियों का व्यायाम हो जाता है। दिल की धड़कन बढ़ जाती है और ऑक्सीजन का आदान-प्रदान अधिक होता है। शरीर निरोगी रहता है।

(ग) पूरा दिन हँसी-खुशी से गुज़रेगा। हम तरोताज़ा रहेंगे। खुद भी खुश रहेंगे दूसरों को भी खुश रखेंगे। दुनिया को प्रसन्न और स्वस्थ बनाएँगे।

(घ) हमें किसी के ऊपर नहीं हँसना चाहिए और अपनी हँसी से किसी का दिल भी नहीं दुखाना चाहिए।

कलम से

❖ (क) कुछ लोग सोचते हैं कि यदि वे स्वस्थ रहेंगे तो खुश रहेंगे।

(ख) समझदार लोग यह सोचते हैं कि यदि कोई खुश रहेगा तो वह स्वस्थ भी रहेगा।

(ग) हम प्रण करें कि हम हर सुबह का स्वागत हँसी से करेंगे।

सोच-समझकर

1. बच्चे स्वयं बताएँगे।
2. **संकेत :** धरती, आकाश, सूरज, चाँद, सितारे, ऋतुएँ, पेड़, फूल, पक्षी, मित्रता, परिवार आदि।

आओ कुछ और करें

कार्य-कलाप पूर्ण करने में बच्चों का मार्ग-दर्शन करें। सबसे अच्छी बात यह होगी कि इस कार्य-कलाप में शिक्षकगण स्वयं भी शामिल हों।

मॉडल प्रश्न पत्र – I

1. (क) पूर्व देश को, (ख) भारत का दिल, (ग) नरम मिट्टी वाला छोटा मैदान और चुस्त-फुर्त शरीर की, (घ) माँ से, (ङ) शांति-निकेतन, (च) भगवान की निंदा में, (छ) ओणम, (ज) पहाड़ पर
2. (क) दिल्ली में सैर-सपाटे के लिए प्रमुख स्थान हैं–चिड़ियाघर, इंडिया गेट, पुराना किला, प्रगति मैदान आदि।

   (ख) किसी खुले स्थान पर चारों ओर लकीर खींचकर मैदान बनाया जाता है। मैदान के बीच में एक लकीर खींचकर दो पाले (भाग) बनाए जाते हैं।

   (ग) दीनबंधु ने भारतीयों को स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा दी।

   (घ) बादल बाबा ने बताया कि जो पेड़ काटे गए हैं, उनके स्थान पर नए पेड़ लगाओ।
3. (क) कमल के फूल जैसी, (ख) भगवान, (ग) खुश, (घ) मार्च
4. (क) हितैषी, (ख) परोपकारी, (ग) दयालु, (घ) क्रोधी
5. (*i*) वस्तुएँ, (*ii*) अड्डे, (*iii*) महिलाएँ, (*iv*) गुरूद्वारे
6. (*i*) प्रसिद्ध, (*ii*) चट्टान, (*iii*) लड्डू, (*iv*) विद्यालय
7. (क) की, (ख) को, (ग) के, (घ) का
8. (क) प्रसन्नता, (ख) आशीर्वाद, (ग) मिठाइयाँ, (घ) आरंभ
9. **संकेत :** धन व समय का नष्ट होना, उचित परिणाम न आना, मन बेचैन होना, घबराहट बढ़ना, लोगों का नाराज़ होना।
10. **संकेत :** फल-फूल, शुद्ध हवा, ठंडी छाया, औषधियाँ, लकड़ी, मनोरम दृश्य

मॉडल प्रश्न पत्र – II

1. (क) उनसे अकसर पूछा जाता था कि वे बड़े होकर क्या बनेंगे।

   (ख) क्योंकि यह चवन्नी उसने कड़ी मेहनत से कमाई थी।

   (ग) शेर शेरनी का जना हुआ था लेकिन सियार बना हुआ था।

   (घ) उसे अभिमान था कि वह सुरीला गाती है।

(ङ) बहादुर सिंह एक बहादुर सिपाही था।
(च) कब–27 सितंबर, 1907, स्थान–बंगा गाँव, ज़िला लायलपुर
(छ) क्योंकि पिल्ले कुएँ में गिर गए थे।
(ज) हमें अपनी हँसी से किसी का दिल नहीं दुखाना चाहिए।

2. (क) कौए कहीं पर भी बिखरी गंदगी को खाकर वातावरण को शुद्ध रखते हैं।
(ख) बहादुर सिंह की दुर्दशा का कारण यह था कि उसने छोटी-सी चीज़ का महत्त्व नहीं समझा।
(ग) लाला लाजपतराय पर पुलिस ने लाठियाँ बरसाईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।
(घ) चीता ज़मीन पर लगभग 100 मील प्रति घंटे की गति से दौड़ सकता है। यह नदी की तेज़ धार में तैर भी सकता है।

3. (क) मरुस्थल का, (ख) सभी ठीक हैं, (ग) अच्छा इनसान, (घ) झूठ बोलने वाले की

4. धनी × निर्धन, मेहनती × आलसी, बुद्धिमान × मूर्ख, कमाई × खर्चा

5. (क) छत की मुँडेर पर कौआ बैठा था।
(ख) कहाँ से आ रही हो कोयल?
(ग) कैसी चोरी! कैसी चालाकी!
(घ) तुम गाती तो सुंदर हो लेकिन क्या अपना कर्तव्य निभाती हो?

6. (क) मैंने, (ख) उन्होंने, (ग) तुम, वे

7. (क) सुंदर, (ख) रंग-बिरंगे, (ग) नए, (घ) समझदार

8. (क) चलूँगा, (ख) चले गए, (ग) हँसी, (घ) उगा रहा था

9.10. बच्चे स्वयं अपनी सोच-समझ से लिखेंगे।